मानविकी विद्याशाखा

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2015 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -203

प्रोग्रामकोड --- एम0ए0एसएल 12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास प्रकरण

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014-15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. 'साधकतमं करणं' सूत्र को सोदाहरण समझाइए।
2. द्वितीया विभक्ति का विधान करने वाला मुख्य सूत्र क्या है।
3. 'भीत्रार्थानां भयहेतु:' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
4. नम:, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा के योग में कौन सी विभक्ति होती है समझाइए।
5. संस्कृत में लकार एवं गण कितने हैं नामोल्लेख कीजिए।
6. 'आख्यातोपयोगे' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
7. केवल समास का अर्थ बताइए।
8. समास का अर्थ एवं भेद बताइए।

खण्ड 'ख'

1. चतुर्थी विभक्ति से सम्बन्धित किन्हीं तीन सूत्रों का उल्लेख कीजिए।
2. द्वन्द्व समास का लक्षण एवं भेद बताइए।
3. निम्नलिखित की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए – निर्मक्षिकम् , उपकृष्णम् ,पितरौ।
4. ससूत्र सिद्ध कीजिए – भू धातु लट् लकार।